THINK IAS JOIN SAMYAK

# Samyak

An Institute For Civil Services

# DAILY CURRENT नामा

## 16 अगस्त

9875170111

SAMYAK IAS, NEAR RIDDHI-SIDDHI, JAIPUR

# भारत में अब 3 और रामसर वेटलैंड स्थल, कुल संख्या 85 हुई

**पाठ्यक्रम में प्रासंगिकता** - सामान्य अध्ययन-III: संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।

## सुर्खियों में क्यों ?

- भारत ने स्वतंत्रता दिवस 2024 की पूर्व संध्या पर रामसर स्थलों की प्रतिष्ठित सूची में तीन और आर्द्रभूमियों को शामिल किया है। नए नामित स्थलों में **तमिलनाडु में नंजरायण पक्षी अभयारण्य** और **काजुवेली पक्षी अभयारण्य** तथा **मध्य प्रदेश में तवा जलाशय** शामिल हैं।
- इससे भारत में रामसर स्थलों की कुल संख्या **85** हो गई है।

## पृष्ठभूमि एवं प्रारंभिक परीक्षा के लिए उपयोगी तथ्य

- **रामसर कन्वेंशन:** आर्द्रभूमि के संरक्षण और सतत उपयोग के लिए 1971 में ईरान में स्थापित एक अंतर्राष्ट्रीय संधि। भारत रामसर कन्वेंशन का एक हस्ताक्षरकर्ता है।
- भारत 1 फरवरी, 1982 को कन्वेंशन का एक अनुबंधकारी पक्ष बन गया। ।
- **भारत का पहला रामसर स्थल:** चिल्का झील (ओडिशा) और केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान) भारत में रामसर स्थल के रूप में नामित पहले स्थल थे।
- **भारत में रामसर स्थल (1982-2023):** 2014 से पहले, भारत में 26 रामसर स्थल थे। पिछले दशक के दौरान 59 नए स्थलों के जुड़ने के साथ, 2024 तक नामित स्थलों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होकर 85 हो गई।
- **वर्तमान संख्या:** तमिलनाडु में सबसे अधिक रामसर स्थल (18) हैं, उसके बाद उत्तर प्रदेश (10) हैं।
- आर्द्रभूमि महत्वपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र हैं जो कई प्रकार की प्रजातियों के लिए आवास प्रदान करते हैं, जैव विविधता का समर्थन करते हैं, और जल निस्पंदन, बाढ़ नियंत्रण और कार्बन पृथक्करण जैसी आवश्यक सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- **नंजरायण पक्षी अभयारण्य(तमिलनाडु)**
    - तिरुपुर जिला, तमिलनाडु नंजरायण टैंक के किनारे स्थित;
    - मुख्य पक्षी - बगुले, बगुले, पेलिकन
    - इस अभयारण्य का प्रबंधन स्थानीय समुदाय द्वारा वन विभाग के सहयोग से किया जाता है।
- **काजुवेली पक्षी अभयारण्य (तमिलनाडु)**
    - क्षेत्रफल: 5,151.6 हेक्टेयर
    - **महत्व:** कोरोमंडल तट पर स्थित, यह खारी झील मध्य एशियाई फ्लाईवे में एक महत्वपूर्ण आवास है। यह विविध पक्षी प्रजातियों के लिए, मछली प्रजनन और जलभृत पुनर्भरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।
    - अभयारण्य को 2021 में घोषित किया गया था और यह जैव विविधता से भरपूर आर्द्रभूमि है।
- **तवा जलाशय (मध्य प्रदेश)**
    - क्षेत्रफल: 20,050 हेक्टेयर
    - **महत्व:** यह जलाशय **सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान** की पश्चिमी सीमा बनाता है। यह प्रवासी और स्थानीय पक्षियों के लिए एक आवश्यक आवास है और पौधों और जानवरों की दुर्लभ और

*लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए महत्वपूर्ण है। जलाशय सिंचाई, बिजली उत्पादन और जलीय कृषि के लिए भी महत्वपूर्ण है।*

- *तवा और देनवा नदियों के संगम पर निर्मित।*
  - *तवा नदी (नर्मदा नदी की बायीं तटवर्ती सहायक नदी) महादेव पहाड़ियों से निकलती है।*
  - *मालनी, सोनभद्र और नागद्वारी नदियाँ जलाशय की प्रमुख सहायक नदियाँ हैं।*

## ***मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषण***

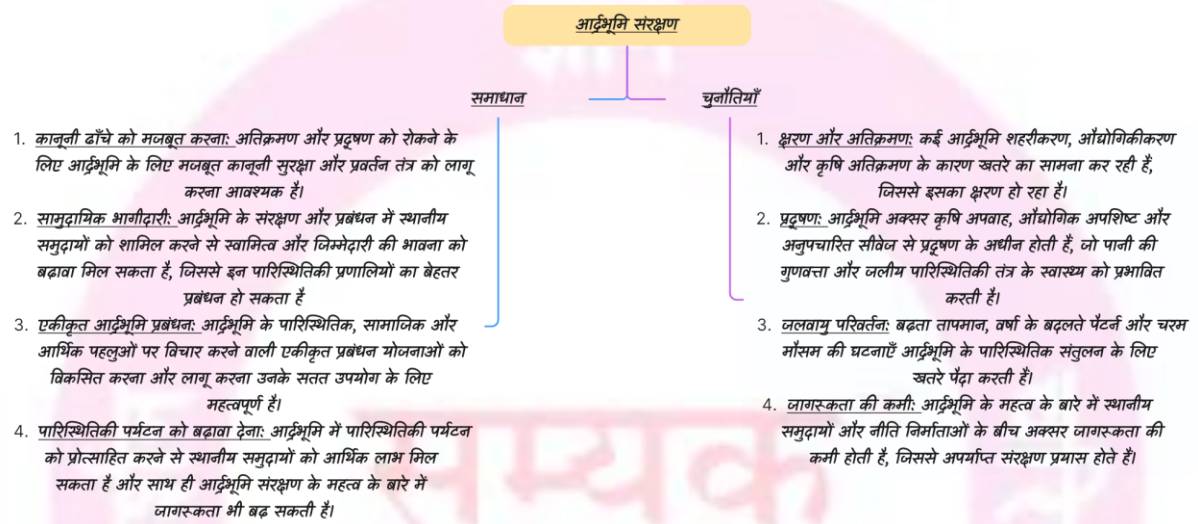


---

## ***यूपीएससी प्रारम्भिक परीक्षा 2019 से प्रश्न***

***40. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए :***

1. *रामसर सम्मेलन के अनुसार, भारत के राज्यक्षेत्र में सभी आर्द्र भूमियों को बचाना और संरक्षित रखना भारत सरकार के लिए अधिदेशात्मक है।*
2. *आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2010, भारत सरकार ने रामसर सम्मेलन की संस्तुतियों के आधार पर बनाए थे।*
3. *आर्द्र भूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2010, आर्द्र भूमियों के अपवाह क्षेत्र या जलग्रहण क्षेत्रों को भी सम्मिलित करते हैं, जैसा कि प्राधिकार द्वारा निर्धारित किया गया है।*

***उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?***

a) *केवल 1 और 2*
b) *केवल 2 और 3*
c) *केवल 3*
d) *(d) 1, 2 और 3*

---

## अन्य खबरें

| चर्चा का विषय | महत्वपूर्ण जानकारी |
|---|---|
| **डायनेमिक रेफरेंस रेट (गतिशील संदर्भ दर)** | • **सुर्खियों में क्यों** – भारत और रूस अपनी मुद्राओं - भारतीय **रुपया** (INR) और रूसी **रूबल** (RUB) के लिए "**डायनेमिक रेफरेंस रेट**" (DRR) शुरू करने की संभावना तलाश रहे हैं।<br>• **उद्देश्य** - दोनों देशों के बीच वित्तीय लेन-देन को सरल बनाना और रूस पर अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभावों को कम करना । साथ ही DRR का उद्देश्य प्रत्यक्ष मुद्रा रूपांतरण को सुगम बनाना है, जिससे द्विपक्षीय व्यापार में अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम हो।<br>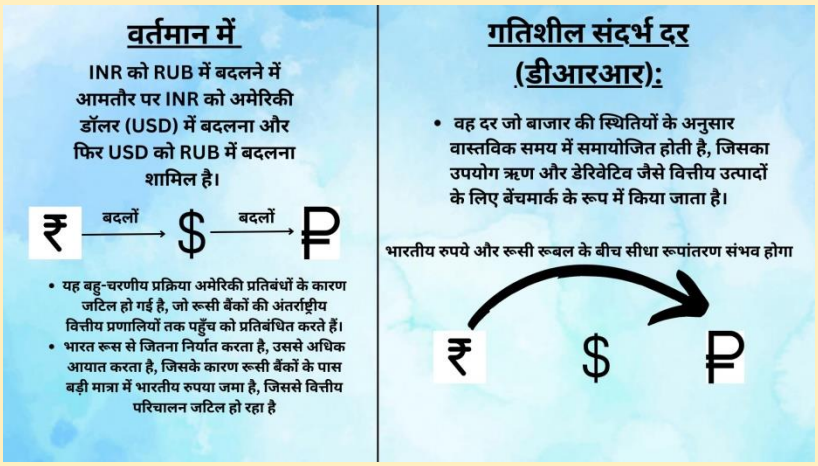<br><br>• **मंशा-** भारत और रूस एक प्रत्यक्ष INR-RUB विनिमय दर स्थापित करने पर विचार कर रहे हैं जिसे बाजार की स्थितियों के आधार पर गतिशील रूप से समायोजित किया जाएगा।<br>• **संयुक्त अरब अमीरात समान व्यवस्था** - यह दृष्टिकोण यूएई जैसे देशों के साथ भारत की मौजूदा व्यवस्था को दर्शाता है, जहां स्थानीय मुद्रा निपटान का उपयोग किया जाता है। |
| **श्री अरबिंदो** | • **सुर्खियों में क्यों** – 15 अगस्त को प्रधानमंत्री ने श्री अरबिंदो को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।<br>**इनके बारे में** –<br>• एक योगी, दार्शनिक, कवि और भारतीय राष्ट्रवादी जिन्होंने आध्यात्मिक विकास के माध्यम से दिव्य जीवन का दर्शन प्रस्तुत किया। |

| | |
|---|---|
| | • *ब्रिटिश शासन से छुटकारा पाने के लिए अरबिंदो की व्यावहारिक रणनीतियों ने उन्हें **"भारतीय राष्ट्रवाद का पैगंबर"** के रूप में चिह्नित किया।*<br>• *पांडिचेरी में उन्होंने **आध्यात्मिक साधकों का एक समुदाय स्थापित** किया, जो 1926 में **श्री अरबिंदो आश्रम** बन गया।*<br>• ***कृतियाँ :** बंदे मातरम (1905), योग के आधार, भगवद गीता और उसका संदेश, मनुष्य का भावी विकास।*<br>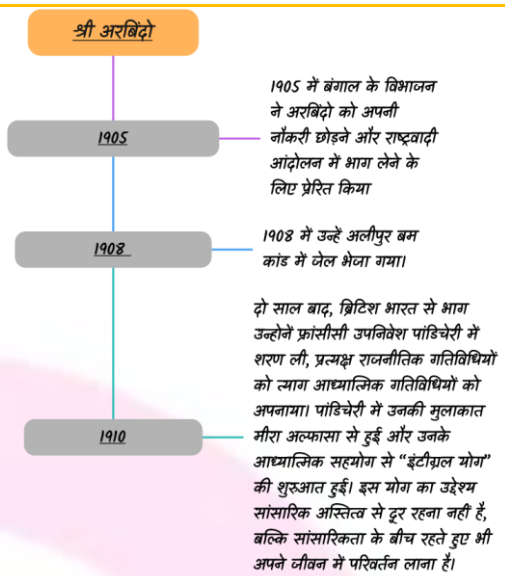 |
| ***मंकीपॉक्स*** | • ***सुर्खियों में क्यों** – विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मंकीपॉक्स को अंतर्राष्ट्रीय चिंता संबंधी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) और अफ्रीका के बाहर मंकीपॉक्स के प्रकोप के बाद, इसे दो वर्षों में दूसरी बार वैश्विक पीएचईआईसी घोषित किया गया।*<br>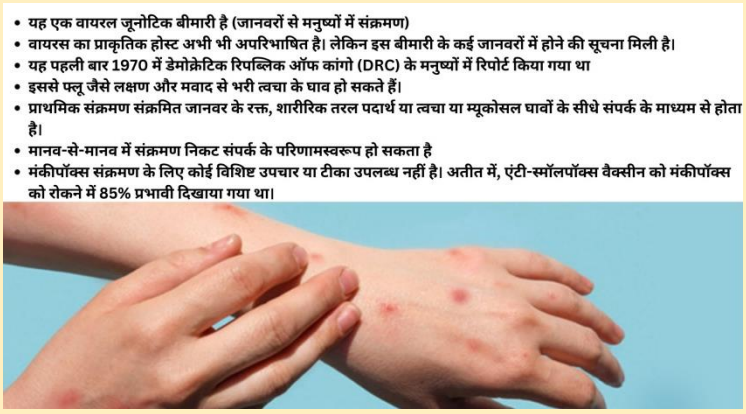<br>• ***अंतर्राष्ट्रीय चिंता संबंधी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (PHEIC) –***<br>○ *अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम (2005) के अनुसार, यदि कोई संक्रमण/प्रकोप असामान्य या अप्रत्याशित है तो उसे PHEIC के रूप में योग्य माना जाता है; इसमें अंतर्राष्ट्रीय प्रसार की संभावना है; और तत्काल अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई की आवश्यकता हो सकती है।*<br>○ *अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियम, 2005 एक बाध्यकारी अंतर्राष्ट्रीय कानूनी समझौता है जिसमें WHO के सभी सदस्य देशों सहित दुनिया भर के 196 देश शामिल हैं।*<br>○ *2009 के बाद से, WHO ने सात अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातस्थितियाँ घोषित की हैं, जिनमें H1N1 इन्फ्लूएंजा महामारी, पोलियो, इबोला (पश्चिम अफ्रीका), जीका महामारी, इबोला (कांगो), COVID-19* |

| | |
|---|---|
| | और Mpox शामिल हैं। |
| **सकल पर्यावरण उत्पाद सूचकांक** | • **सुर्खियों में क्यों –** उत्तराखंड सरकार ने हाल ही में सकल पर्यावरण उत्पाद सूचकांक (जीईपीआई) शुरू किया। ऐसा करने वाला पहला भारतीय राज्य बन गया है।<br>**इसके बारे में:**<br>• जीईपीआई मानवीय हस्तक्षेपों के कारण होने वाले पारिस्थितिक विकास का मूल्यांकन करने की एक नई विधि है।<br>• जीईपीआई के चार स्तंभ हैं : वायु, मिट्टी, पेड़ और पानी।<br>**सकल पर्यावरण उत्पाद (जीईपी)**<br>• जीईपी किसी भी क्षेत्र की पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं का माप है।<br>• यह किसी दिए गए क्षेत्र, जैसे कि जिला स्तर, राज्य और देश में लोगों को पारिस्थितिकी तंत्र (वन, जल निकाय, महासागर, आदि) द्वारा प्रदान की जाने वाली वस्तुओं और सेवाओं के समग्र वार्षिक मूल्य को दर्शाता है। |
| **डेंगीऑल** | • **सुर्खियों में क्यों** - स्वदेशी टेट्रावेलेंट डेंगू वैक्सीन, डेंगीऑल अपने चरण-3 नैदानिक परीक्षणों की ओर बढ़ गई है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और पैनेसिया बायोटेक के सहयोग से परीक्षण किया जाएगा।<br>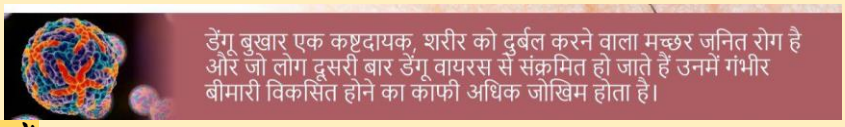<br><br>**डेंगू बारे में:**<br>• मच्छर जनित **वायरल** संक्रमण।<br>• **उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय जलवायु** में अधिक आम है।<br>• जबकि कई डेंगू संक्रमण लक्षणहीन होते हैं या केवल हल्की बीमारी पैदा करते हैं, वायरस कभी-कभी अधिक गंभीर मामलों और यहां तक कि मौत का कारण भी बन सकता है।<br>• **संचरण:** संक्रमित एडीज मच्छरों के काटने से मनुष्यों में फैलता है<br>• डेंगू **एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में संक्रामक नहीं** होता है, सिवाय इसके कि गर्भवती महिला से उसके बच्चे में फैल जाए।<br>• **दवा –** डेंगू के इलाज के लिए कोई विशेष दवा नहीं है। इसका आमतौर पर सहायक देखभाल से इलाज किया जाता है। |
| **अमृत भारत स्टेशन विकास योजना** | **इसके बारे में:**<br>• **मंत्रालय:** रेल मंत्रालय की योजना<br>• **उद्देश्य:** यात्रियों को उन्नत और आधुनिक सुविधाएँ प्रदान करने के लिए रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन करना।<br>• निर्बाध मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और स्टेशन को शहर के केंद्र के रूप में कार्य करने में सक्षम बनाना, स्थानीय<br> <br> |

| | |
|---|---|
| | *अर्थव्यवस्था के चालक के रूप में कार्य करना और पारगमन उन्मुख विकास को सुविधाजनक बनाना।*<br>• ***दृष्टिकोण:*** *इसमें बेहतर पहुँच, मुफ़्त वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी पहलों को बढ़ावा देने जैसे मास्टर प्लान बनाने के लिए दीर्घकालिक दृष्टिकोण शामिल हैं।* |
| ***समान नागरिक संहिता (यूसीसी)*** | • ***इसके बारे में:*** *संविधान और सर्वोच्च न्यायालय का हवाला देते हुए भारतीय प्रधानमंत्री ने समान नागरिक संहिता की वकालत की।*<br>• ***समान नागरिक संहिता (यूसीसी):*** *यह सभी धार्मिक समुदाय पर लागू होने के लिए 'एक देश एक नियम' का आह्वान करता है। फिर चाहे वह किसी भी जाति, धर्म, समुदाय से संबंधित क्यों न हो। यूसीसी का मतलब है शादी, तलाक और जमीन जायदाद के हिस्से में सभी धर्मों के लिए केवल एक ही कानून लागू होना।*<br>○ *इसका उल्लेख भारतीय संविधान के* ***अनुच्छेद 44*** *में किया गया है, जो राज्य के नीति निदेशक तत्वों का हिस्सा है।*<br>○ *ये तत्व कानूनी रूप से लागू करने योग्य नहीं हैं, लेकिन नीतियां बनाने में राज्य का मार्गदर्शन करने के लिए हैं।*<br>○ *वर्तमान में, न केवल मुसलमान बल्कि हिंदू, जैन, बौद्ध, सिख, पारसी और यहूदी भी अपने स्वयं के व्यक्तिगत कानून द्वारा शासित हैं।*<br>○ *व्यक्तिगत कानून धार्मिक पहचान के आधार पर निर्धारित किए जाते हैं।* |
| ***राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (एनसीएससी)*** | • ***मंत्रालय:*** ***सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय*** *के तहत स्थापित एक संवैधानिक निकाय।*<br>• ***अनुच्छेद 338:*** *यह एनसीएससी से संबंधित है।*<br>• ***मंशा:*** ***अनुसूचित जातियों और एंग्लो-इंडियन समुदायों*** *के शोषण के खिलाफ सुरक्षा प्रदान करने के लिए उनके सामाजिक, शैक्षिक, आर्थिक और सांस्कृतिक हितों को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए विशेष प्रावधान।*<br>• ***अनुसूचित जाति(एससी) और अनुसूचित जनजाति(एसटी) के लिए पहला आयोग:*** *अगस्त 1978 में स्थापित।*<br>• ***संविधान (89वां संशोधन) अधिनियम, 2003:*** *एससी और एसटी के लिए पूर्ववर्ती राष्ट्रीय आयोग को अनुसूचित जातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग और अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय आयोग द्वारा प्रतिस्थापित किया गया।*<br>• ***संरचना:*** *एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष और तीन अन्य सदस्य।*<br>• ***नियुक्ति:*** *राष्ट्रपति द्वारा अपने हस्ताक्षर और मुहर के तहत वारंट द्वारा नियुक्त किया जाता है।*<br>• ***सेवा और कार्यकाल की शर्तें:*** *यह राष्ट्रपति द्वारा नियम द्वारा निर्धारित की जाएगी।* |
| ***अल-शबाब*** | • ***सोमालिया*** *में स्थित एक उग्रवादी इस्लामी समूह।*<br>• *यह 2000 के दशक के मध्य में यूनियन ऑफ इस्लामिक कोर्ट्स (UIC) की कट्टरपंथी युवा शाखा के रूप में उभरा, जिसने 2006 के अंत में इथियोपियाई बलों द्वारा हटाए जाने से पहले दक्षिणी सोमालिया के अधिकांश हिस्से को* |

| | |
|---|---|
| | नियंत्रित किया था।<br>• समय के साथ, अल-शबाब अपने स्वयं के एजेंडे के साथ एक स्वतंत्र संगठन के रूप में विकसित हुआ, जो पूर्वी अफ्रीका में सबसे प्रमुख और खतरनाक आतंकवादी समूहों में से एक बन गया।<br> <br> |
| **उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी)** | • **स्थापना** - उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) की स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी तथा वर्ष 2000 में औद्योगिक विकास विभाग के विलय के साथ इसका पुनर्गठन किया गया था।<br>• **नाम में परिवर्तन -** इस विभाग को पहले औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग कहा जाता था और जनवरी, 2019 में इसका नाम बदल कर डीपीआईआईटी कर दिया गया।<br>• **नोडल मंत्रालय -** वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय।<br>**जिम्मेदारियाँ:**<br>1. आंतरिक व्यापार (खुदरा व्यापार सहित) को बढ़ावा देना,<br>2. व्यापारियों और उनके कर्मचारियों का कल्याण,<br>3. व्यापार करने में आसानी को सुविधाजनक बनाने से संबंधित मामले,<br>4. स्टार्ट-अप से संबंधित मामले।<br>5. उद्योगों का प्रशासन<br>6. औद्योगिक प्रबंधन<br>7. उद्योग में उत्पादकता<br>8. ई-कॉमर्स से संबंधित मामले |
| **बहुआयामी भेद्यता सूचकांक (एमवीआई)** | • **सुर्खियों में क्यों -** **संयुक्त राष्ट्र महासभा** ने हाल ही में आधिकारिक तौर पर एक नया डेटा-आधारित "भेद्यता" सूचकांक लॉन्च किया है, जो छोटे द्वीपीय देशों और विकासशील देशों को कम ब्याज दर पर वित्तपोषण प्राप्त करने में मदद करेगा।<br>• **इसके बारे में:** राष्ट्रीय स्तर पर सतत विकास के कई आयामों में संरचनात्मक भेद्यता और संरचनात्मक लचीलेपन की कमी को मापने के लिए एक नया अंतर्राष्ट्रीय मात्रात्मक बेंचमार्क।<br>• **उपयोग:** इसका उपयोग प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय के पूरक के रूप में किया जा सकता है।<br>• **महत्व:** जबकि कम एमवीआई स्कोर यह दर्शाता है कि कोई देश बाहरी झटकों के प्रभावों के प्रति अपेक्षाकृत कम संवेदनशील है, इसका यह अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए कि देश बाहरी झटकों से पूरी तरह से प्रतिरक्षित है। |

सम्यक्
An Institute for Civil Services